ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol.-5* Issue-5* June- 2020
Innovation The Research Concept

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों की सामाजिक गतिशीलता का अध्ययन

Study of Social Mobility of Teachers Working in Teacher Training Colleges

Paper Submission: 15/06/2020, Date of Acceptance: 26/06/2020, Date of Publication: 27/06/2020

नरेश कुमार
प्राचार्य,
श्री गनपति इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड टैक्नोलॉजी,
फैजाबाद, महेन्द्रगढ़,
हरियाणा, भारत

सारांश

गतिशीलता चाहे भौतिक हो या सामाजिक, यह व्यक्तियों या वर्गों में लम्बवत या स्थिति परिवर्तन के परिणाम स्वरूप दिखाई देती है। वर्तमान समय में अधिकारी तंत्र, शहर औद्येगिकीकरण में वृद्धि होने से स्थिति में परिवर्तन दिखाई देता है। अध्ययन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया तथा शोध हेतु राजस्थान विश्वविद्यालय से संबद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों का 20 प्रतिशत (400 प्राध्यापक) न्यादर्श के रूप में यादृच्छिक विधि से चयन किया गया। सामाजिक गतिशीलता जानने के लिये स्वनिर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया है। शोध का निष्कर्ष यह निकला कि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के अध्यापकों में सामाजिक, शैक्षिक, व्यावसायिक व भौगोलिक गतिशीलता पाई जाती है।

Mobility, whether physical or social, is seen as a result of a vertical or status change in individuals or classes. At the present time, there is a change in the situation due to increase in official system, city industrialization. The survey method was used for the study and 20 percent (400 professors) of the teachers working in the teacher training colleges affiliated to the University of Rajasthan were selected as random judges. Self-designed questionnaires have been used to know social mobility. The research concluded that social, educational, vocational and geographical dynamics are found in teachers of teacher training colleges.

मुख्य शब्द : गतिशीलता, अधिकारी तंत्र व औद्योगिकीकरण।
Mobility, Official Machinery and Industrialization.

प्रस्तावना

समाज शास्त्रीय इतिहास की ओर अगर हम देखें, तो समाज को दो भागों में विभाजित किया है। प्रथम सामाजिक स्थिति विज्ञान और दूसरा सामाजिक गतिक विज्ञान/सामाजिक गतिशीलता से सामाजिक जीवन में पाये जाने वाले उस स्थानान्तरण की प्रक्रिया का बोध होता है, जिसके अन्तर्गत समाज के सदस्य एक पद से दूसरे पद की ओर चलायमान होते हैं। समाज में संस्थिति तक पहुँचने के लिए एक सीमा तक एक व्यक्ति को अवसर मिलता है। उस तरह की गत्यात्मकता का अध्ययन ही सामाजिक गतिशीलता का अध्ययन है।

शिक्षा सामाजिक गतिशीलता को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है, जो ऊर्ध्वगामी सामाजिक गतिशीलता में वृद्धि करती है। शिक्षा व्यक्ति की योग्यता में वृद्धि कर उसे प्रतिष्ठित सामाजिक पद प्राप्त करने के योग्य बनाती है। शिक्षा से अध्यापक और छात्र, दोनों ही लाभान्वित होते हैं। शिक्षक अपनी सामाजिक स्थिति को प्रायः शैक्षिक समूहों की संरचना के अन्तर्गत ही प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। जो शिक्षक अपने स्थान से किसी भी उच्च पद को प्राप्त कर लेता है, तो उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा व स्थिति उच्च हो जाती है। किसी विद्यार्थी की गतिशीलता के संदर्भ में शिक्षा की मात्रा, शिक्षा की पाठ्यवस्तु, विशिष्ट क्षेत्रों में डॉक्टर की उपाधि आदि प्रभाव डालती है। अर्थात् भविष्य में शिक्षा द्वारा उपरिमुखी तथा अधोमुखी, दोनों प्रकार की गतिशीलता के बीच संतुलन स्थापित करना होगा। विभिन्न प्रकार की गतिशीलता किस प्रकार शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापकों द्वारा अधिक प्रभावित होती है,

इसी जिज्ञासा का समाधान जानने हेतु शोधकर्ता ने शिक्षक प्रशिक्षण में कार्यरत प्राध्यापकों की सामाजिक गतिशीलता पर शोध करने का मानस बनाया।

शोध के उद्देश्य

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों की–

1. सामाजिक गतिशीलता का अध्ययन करना
2. शैक्षिक गतिशीलता का अध्ययन करना
3. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्राध्यापकों में व्यावसायिक गतिशीलता पाई जाती है।
4. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्राध्यापकों में भौगोलिक गतिशीलता पाई जाती है।

अध्ययन में प्रयुक्त पद

इस अध्ययन में दो पद सम्मिलित हैं– शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय व सामाजिक गतिशीलता

शोध की परिसीमाएं

1. यह शोध केवल राजस्थान विश्वविद्यालय से संबद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राध्यापकों तक ही सीमित है।
2. सांख्यिकी के अन्तर्गत केवल काई स्क्वायर व प्रतिषत का प्रयोग किया गया है।

तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

ऐसे महाविद्यालय, जहाँ माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के लिए अध्यापकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

सामाजिक गतिशीलता

किसी व्यक्ति या समूह का एक सामाजिक स्थिति से दूसरी सामाजिक स्थिति में संक्रमण करना या किसी व्यक्ति या मूल्य का एक सामाजिक स्थिति से दूसरी सामाजिक स्थिति में जाना ही सामाजिक गतिशीलता है।

शोध विधि

शोध कार्य हेतु सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है।

न्यादर्श

अध्ययन हेतु शोधकर्ता ने यादृच्छिक विधि का प्रयोग किया है तथा न्यादर्श हेतु राजस्थान विश्वविद्यालय से संबद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राध्यापकों का 20 प्रतिशत (400 प्राध्यापक) का चयन किया गया है।

सांख्यिकी

प्रस्तुत अध्ययन में काई स्क्वायर व प्रतिशत आदि प्रविधियों का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का वर्गीकरण, विश्लेषण व व्याख्या

परिकल्पना 1

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राध्यपकों में सामाजिक गतिशीलता पाई जाती है, क्योंकि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राध्यापकों व उनके अभिभावकों में काई स्क्वायर का मान 25.88 प्राप्त हुआ है। इस आधार पर स्पष्ट होता है कि प्राध्यापकों का सामाजिक आर्थिक स्तर उनके अभिभावकों की तुलना में उच्च पाया जाता है। परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

3. व्यावसायिक गतिशीलता का अध्ययन करना
4. भौगोलिक गतिशीलता का अध्ययन करना

प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त मुख्य परिकल्पनाएं

1. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्राध्यापकों में सामाजिक गतिशीलता पाई जाती है।
2. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्राध्यापकों में शैक्षिक गतिशीलता पाई जाती है।

परिकल्पना 2

शिक्षा का स्तर भार में उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है, साथ ही अभिभावक शिक्षा की ओर ध्यान दे रहे हैं। अतः कहा जा सकता है कि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राध्यापकों में शैक्षिक गतिशीलता पाई जाती है तथा परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना 3

समाज का शैक्षिक स्तर व्यवसाय को प्रभावित करता है। इसी कारण शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राध्यापकों में व्यावसायिक गतिशीलता पाई जाती है व परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना 4

शैक्षिक स्तर उच्च होने के साथ ही व्यवसाय के प्रति जागरूकता व आवश्यकता के कारण शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राध्यापकों में भौगोलिक गतिशीलता पाई जाती है, क्योंकि व्यवसाय के कारण उनका गाँव से शहर की ओर पलायन होता है, अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों की सामाजिक, शैक्षिक, व्यावसायिक व भौगोलिक गतिशीलता में वृद्धि हुई है, क्योंकि समाज जागृत हुआ है, जिससे शिक्षा के स्तर में सुधार हुआ है। व्यक्तियों में व्यवसाय के प्रति रुझान बढ़ा है, कहीं न कहीं समाज में भौतिकवाद भी छा रहा है, जिससे समाज रोजगारोन्मुखी हो रहा है, चाहे उसके लिए अपना गाँव या शहर से ही उसे गतिशील न होना पड़े। अन्ततोगत्वा कहा जा सकता है कि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों की सामाजिक, शैक्षिक, व्यावसायिक व भौगोलिक गतिशीलता हुई है।

भावी अध्ययन हेतु सुझाव

1. राजस्थान विश्वविद्यालय से संबद्ध तथा अन्य विश्वविद्यालयों से संबद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के शिक्षक प्रशिक्षकों का भी अध्ययन किया जा सकता है।
2. भावी शोध में अन्तर्राज्यीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक गतिशीलता का अध्ययन किया जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *बेस्ट, जॉन डब्ल्यू : इन्ट्रोडक्शन टू एजूकेशनल रिसर्च, मैक्सिकन कम्पनी, मैक्सिको, 1998*
2. *दुबे, एस. एम. : सोशियल मोबिलिटी अमंग द प्रोफेशन्स, पॉपुलर प्रोफेशन प्रा. लि., मुम्बई*
3. *रूहेला, सत्यपाल : भारतीय शिक्षा का समाजशास्त्र, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1992*

4. *स्टीवन स्टिलमैन : द जियोग्राफिकल मोबिलिटी ऑफ मूरी इन न्यूजीलैण्ड, 2010*
5. *विलिस, एरिक, एम. एस. : इन्टरनेशनल एजूकेशनल मोबिलिटी एण्ड चाइल्ड–पेरेन्ट रिलेशनशिप्सः ए रिस्पॉन्स टू एकसोल्यूट ऑर स्ट्रक्चरल मोबिलिटी, 2006*
6. *www.ikipedia.com/social mobility*
7. *www.wikipedia.com/educational mobility*
8. *www.wikipedia.com/geographical mobility*
9. *www.wikipedia.com/vertical mobility*